

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

- १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- २) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।
- ३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।
- ४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

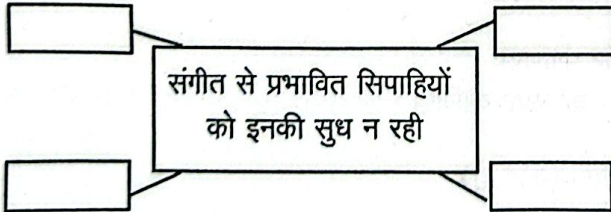
विभाग – १ गद्य

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरे के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है। वे उठे कि उसे नगर की रीति की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने-आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे। दम-के-दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाजारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभाली और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। ये आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी। साधु मस्त था, सुनने वाले पस्त थे। जमीन-आसमान मस्त थे। गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाजों की जंजीरों से खींच रहा है और संकेत से अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है।

मुग्ध जनसमुदाय चलता गया, चलता गया, चलता गया। पता नहीं किधर को? पता नहीं कितनी देर? एकाएक गाना बंद हो गया। जादू का प्रभाव टूटा तो लोगों ने देखा कि वे तानसेन के महल के सामने खड़े हैं। उन्होंने दुख और पश्चात्ताप से हाथ मले और सोचा- यह हम कहाँ आ गए? साधु अज्ञान में ही मौल के द्वार पर आ पहुँचा था। भोली-भाली चिड़िया अपने-आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी और अजगर के दिल में जरा भी दया न थी।

१) संजाल पूर्ण कीजिए।



२) उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

१)

२)

३)

४)

३) स्वमत लिखिए।

‘मानवता की रक्षा के लिए दया का महत्व’ इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

बड़े प्रयत्न से बनवाई रजाई, कोट जैसी नित्य व्यवहार की वस्तुएँ भी जब दूसरे ही दिन किसी अन्य का कष्ट दूर करने के लिए अंतर्धान हो गईं तब अर्थ के संबंध में क्या कहा जावे, जो साधन मात्र है। वह संध्या भी मेरी स्मृति में विशेष महत्त्व रखती है जब श्रद्धेय मैथिलीशरण जी निराला जी का आतिथ्य ग्रहण करने गए।

बगल में गुप्त जी के बिछौने का बंडल दबाए, दियासलाई के क्षण प्रकाश, क्षीण अंधकार में तंग सीढ़ियों का मार्ग दिखाते हुए निराला जी हमें उस कक्ष में ले गए जो उनकी कठोर साहित्य साधना का मूक साक्षी रहा है।

आले पर कपड़े की आधी जली बत्ती से भरा पर तेल से खाली मिट्टी का दीया मानो अपने नाम की सार्थकता के लिए जल उठने का प्रयास कर रहा था।

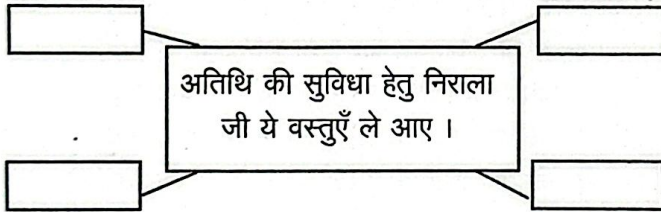
वह आलोकरहित, सुख-सुविधा शून्य घर, गृहस्वामी के विशाल आकार और उससे भी विशालतर आत्मीयता से भरा हुआ था। अपने संबंध में बेसुध निराला जी अपने अतिथि की सुविधा के लिए सतर्क प्रहरी हैं। अतिथि की सुविधा का विचार कर वे नया घड़ा खरीदकर गंगाजल ले आए और धोती- चादर जो कुछ घर में मिल सका; सब तख्त पर बिछाकर उन्हें प्रतिष्ठित किया।

तारों की छाया में उन दोनों मर्यादावादी और विद्रोही महाकवियों ने क्या कहा-सुना, यह मुझे ज्ञात नहीं पर सवेरे गुप्त जी को ट्रेन में बैठाकर वे मुझे उनके सुख शयन का समाचार देना न भूले।

ऐसे अवसरों की कमी नहीं जब वे अकस्मात् पहुँचकर कहने लगे-मेरे इक्के पर कुछ लकड़ियाँ, थोड़ा घी आदि रखवा दो। अतिथि आए हैं, घर में सामान नहीं है।

१) उत्तर लिखिए।

2



२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

2

- १) मेहमान → _____
- २) प्रयास → _____
- ३) शाम → _____
- ४) दीपक → _____

३) 'आतिथ्य भाव' हमारे संस्कार हैं', इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए ।

2

इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (कोई दो)

6

- १) निराला जी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
- २) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
- ३) 'बैजू बावरा संगीत का सच्चा पुजारी है', इस विचार को स्पष्ट कीजिए।

ई) निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (कोई दो)

2

- १) बदरीनाथ का साहित्यिक नाम लिखिए।
- २) सुदर्शन ने इस लेखक की लेखन परंपरा को आगे बढ़ाया है।
- ३) कहानी विधा की विशेषताएँ लिखिए ।
- ४) 'निराला' जी का मूल नाम लिखिए।

विभाग २ - पद्य

प्र.२ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

जिसको मंजिल का पता रहता है,
पथ के संकट को वही सहता है।
एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठ,
अपना इतिहास वही कहता है।

प्रीति की राह पर चले आओ,
नीति की राह पर चले आओ।
वह तुम्हारी ही नहीं, सबकी है,
गीति की राह पर चले आओ।

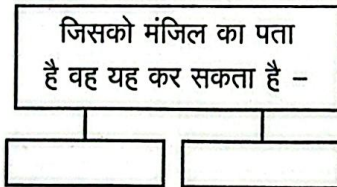
साथ निकलेंगे आज नर-नारी,
लेंगे काँटों का ताज नर-नारी।
दोनों संगी हैं और सहचर हैं,
अब रचेंगे समाज नर-नारी।

वर्तमान बोला, अतीत अच्छा था,
प्राण के पथ का मीत अच्छा था।
गीत मेरा भविष्य गाएगा,
यों अतीत का भी गीत अच्छा था।

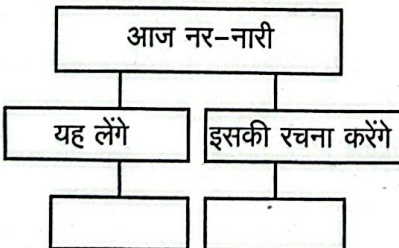
१) कृति पूर्ण कीजिए।

2

१)



२)



२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए।

2

१) सिद्धि -

२) इतिहास -

३) मंजिल -

४) पथ -

३) 'समाज का नवनिर्माण और विकास नर-नारी के सहयोग से ही संभव है' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

2

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

कछु कहि नीच न छेड़िए, भलो न वाको संग ।
पाथर डारै कीच मैं, उछरि बिगारै अंग ॥

जो पावै अति उच्च पद, ताको पतन निदान ।
ज्यों तपि-तपि मध्याह्न लौं, अस्त होतु है भान ॥

जो जाको गुन जानही, सो तिहि आदर देत ।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौरी लेत ॥

आप अकारज आपनो, करत कुबुध के साथ ।
पाय कुल्हाड़ी आपने, मारत मूरख हाथ ॥

कुल कपूत जान्यो परै, लखि सुभ लच्छन गात ।
होनहार बिरवान के, होत चीकने पात ॥

१) उत्तर लिखिए ।

- i) सूर्य इस समय तपता है -
- ii) निबौरियों का आदर करनेवाला -
- iii) पद्यांश में प्रयुक्त लकड़ी काटने का एक औजार -
- iv) चिकने पात इसके होते हैं -

२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए ।

- १) पाथर - २) भान -
- ३) कोकिल - ४) गात -

३) 'ज्ञान की पूँजी बढ़ानी चाहिए' - इस विषय पर अपना मत लिखिए ।

इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

- १) रचनाकार का नाम
- २) पसंद की पंक्तियाँ
- ३) पंक्तियाँ पसंद आने का कारण
- ४) कविता की केंद्रीय कल्पना

ई) निम्नलिखित प्रश्नों का एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (किन्हीं दो)

- १) गुरु नानक जी की रचनाओं के नाम लिखिए।
- २) दोहा छंद की विशेषता लिखिए।
- ३) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।
- ४) कवि वृंद की प्रमुख रचनाएँ लिखिए ।

विभाग ३ : विशेष अध्ययन

प्र. ३ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

सेतु: मैं

नीचे की घाटी से
ऊपर के शिखरों पर

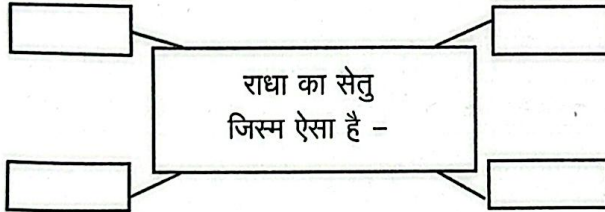
जिसको जाना था वह चला गया—
हाथ मुझी पर पग रख
मेरी बाँहों से
इतिहास तुम्हें ले गया !

सुनो कनु, सुनो
क्या मैं सिर्फ एक सेतु थी तुम्हारे लिए
लीलाभूमि और युद्धक्षेत्र के
अलंघ्य अंतराल में!

अब इन सूने शिखरों, मृत्यु घाटियों में बने
सोने के पतले गुँथे तारोंवाले पुल—सा
निर्जन
निरर्थक
काँपता—सा, यहाँ छूट गया—मेरा यह सेतु जिस्म
— जिसको जाना था वह चला गया

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

2



२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।

2

- १) शिखरों - _____ २) घाटी - _____
३) बाँह - _____ ४) लीलाएँ - _____

३) स्वमत लिखिए।

2

‘वृक्ष की उपयोगिता’ इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

4

- १) कनुप्रिया की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए।
२) ‘कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है’ इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

विभाग - ४ व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली

कृति ४ अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए।

6

१) पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

मुझे न्यूज चैनल देखना अच्छा लगता है।" माँ ने भी स्नेहा की इस इच्छा का समर्थन किया था। स्नेहा ने पत्रकारिता का कोसे ज्वाइन कर लिया।

पत्रकारिता की कक्षा का प्रथम दिवस... स्नेहा कक्षा में पहुँच गई। अन्य विद्यार्थी भी कक्षा में बैठे हुए थे। सबसे जान-पहचान हुई। वह सबके साथ घुल-मिल गई।

पहला लेक्चर प्रारंभ हुआ। प्रोफेसर ने पत्रकारिता पाठ्यक्रम का पहला पेपर पढ़ाना प्रारंभ किया। विषय था- फीचर लेखन। सबसे पहले उन्होंने फीचर लेखन की विभिन्न परिभाषाओं को समझाते हुए कहा, "जेम्स डेविस फीचर लेखन क्षेत्र में एक चर्चित नाम है। वे कहते हैं, "फीचर समाचारों को नया आयाम देता है, उनका परीक्षण करता है, विश्लेषण करता है तथा उनपर नया प्रकाश डालता है।"

स्नेहा की पत्रकारिता और विशेष रूप में फीचर लेखन में बहुत रुचि थी। इसलिए उसने कहा, "सर! पी.डी. टंडन ने भी फीचर लेखन को परिभाषित किया है।"

"हाँ... पी.डी. टंडन कहते हैं- "फीचर किसी गद्य गीत की भाँति होता है; जो बहुत लंबा, नीरस और गंभीर नहीं होना चाहिए। अर्थात् फीचर किसी विषय का मनोरंजक शैली में विस्तृत विवेचन है।" स्नेहा इन परिभाषाओं को रटते रटते समझ गई थी कि फीचर समाचारपत्र का प्राणतत्व होता है। पाठक की प्यास बुझाने, घटना की मनोरंजनात्मक अभिव्यक्ति करने की कला का नाम ही फीचर है।

१) उत्तर लिखिए।

2

जेम्स डेविस के अनुसार फीचर - १)

२)

३)

४)

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

2

१) प्रथम × _____ २) दिवस × _____

३) नीरस × _____ ४) प्यास × _____

३) 'समाचार लेखन' के बारे में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

2

आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए।

4

१) 'लालच का फल बुरा होता है' - इस उक्ति को विचार पल्लवन कीजिए।

२) फीचर लेखन करते समय बरती जानेवाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१) पल्लवन _____ निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तैयार कर सकता है।

अ) तर्क

ब) व्यक्तित्व

क) वितर्क

ड) मित्राता

- २) शारीरिक विकास के साथ-साथ _____ विकास की आवश्यकता है ।
 अ) सामाजिक ब) बौद्धिक क) राजनैतिक ड) सांस्कृतिक
- ३) विषय का _____ शीर्षक फीचर की आत्मा है।
 अ) महत्वपूर्ण ब) अर्थपूर्ण क) औचित्यपूर्ण ड) ज्ञानपूर्ण
- ४) पल्लवन का अर्थ है - _____ ।
 अ) संक्षिप्तीकरण ब) विस्तार क) सारांश ड) व्याख्या

इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

अहिंसा की जो मेरी धारणा है, उसके अनुसार वह प्रतिकार की अपेक्षा दुष्ट के विरुद्ध संघर्ष करने का कहीं ज्यादा सक्रिय और सबल साधन है। मैं अत्याचारी की तलवार की धार को उससे भी ज्यादा धारदार शस्त्र से बोधरा करना नहीं चाहता, बल्कि उसकी इस आशा को धूमिल करना चाहता हूँ कि मैं उसका शारीरिक प्रतिरोध करूँगा। इसके बजाय मैं जो आत्मिक प्रतिरोध करूँगा उससे वह भ्रांत हो जायेगा। मेरा आत्मिक प्रतिरोध पहले तो उसको चकित कर देगा, पर अंततः यह उसका लोहा मान लेगा, और ऐसा करने से उसकी अवमानना नहीं होगी बल्कि उत्थान होगा। आप कह सकते हैं कि यह एक आदर्श स्थिति है।

मैं मानता हूँ कि जो शक्तिशाली है, वह दुर्बल को लूटेगा। लेकिन यह बात मनुष्य की आत्मा के बारे में कही गई है, शरीर के बारे में नहीं। अगर यह शरीर के बारे में कही गई होती तो हम दुर्बलता से कभी मुक्त न हो पाते। लेकिन आत्मा की शक्ति पूरी दुनिया के सशस्त्र विरोध का मुकाबला कर सकती है। आत्मा की यह शक्ति दुर्बल-से-दुर्बल शरीर में भी अर्जित की जा सकती है।

अहिंसा मानवता को उपलब्ध सबसे बड़ा बल है। मनुष्य ने अपनी होशियारी से विनाश के जो शक्तिशाली-से-शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र बनाए हैं, अहिंसा उनसे भी अधिक शक्तिशाली है। विनाश मानवों का नियम नहीं है। मनुष्य कभी अपने भाई को मारकर नहीं बल्कि ज़रूरत पड़े तो उसके हाथों मरने के लिए तैयार रहकर आज़ादी से जीता है।

अहिंसा रेडियम की तरह काम करती है। इसी प्रकार, थोड़ी-सी भी सच्ची अहिंसा चुपचाप, सूक्ष्म और अदृश्य रूप से काम करती है।

१) निम्नलिखित वाक्यों सत्य है या असत्य वह लिखिए ।

2

- १) अहिंसा एक आत्मिक शक्ति है ।
 २) आत्मा की शक्ति दुर्बल-से-दुर्बल शरीर में अर्जित नहीं की जा सकती ।
 ३) अहिंसा मानवता का सबसे बड़ा बल है ।
 ४) अहिंसा रेडियम की तरह काम नहीं करती ।

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

2

- १) आत्मा - _____ २) शक्ति - _____
 ३) दुर्बल - _____ ४) आजाद - _____

३) 'अहिंसा का जीवन में महत्व' इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

2

इ) निम्नलिखित में से किन्ही चार पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी अर्थ लिखिए।

4

- | | |
|--------------------|--------------------|
| 1) TRANSACTION | 2) MEDICAL BENEFIT |
| 3) OUTPUT | 4) EXPERT |
| 5) ACTION | 6) INTERPRETER |
| 7) ACKNOWLEDGEMENT | 8) BANK STATEMENT |

विभाग - ५ व्याकरण

कृति ५ अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (किन्हीं दो):

2

- १) मैं पता लगाकर आता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल में बदलिए)
- २) मौसी कुछ नहीं बोल रही थी। (अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)
- ३) प्रकाश उसमें समा जाता है। (सामान्य भूतकाल में बदलिए)
- ४) वे सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखते थे। (सामान्य वर्तमानकाल में बदलिए)

आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकारों के नाम पहचानकर उनके नाम लिखिए। (कोई दो) :

2

- १) राधा-वदन चंद सो सुंदर ।
- २) सबै सहायक सबल कै, कोउ न निबल सहाय ।
पवन जगावत आग ही, दीपहिं देत बुझाया ।
- ३) पड़ी अचानक नदी अपार ।
घोड़ा उतरे कैसे पार ॥
राणा ने सोचा इस पार ॥
तब तक चेतक था उस पर ॥
- ४) चरण-सरोज पखारन लागा ।

इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो) :

2

- १) तू दयालु वीन हौ, तू दानी है भिखारि ।
हौ प्रसिद्ध पातकी, तु पाप पुंजहारी ॥
- २) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात ॥
- ३) एक अचंभा देखा रे भाई,
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई ।
पहले पूत पाछे माई,
चेला के गुरु लागे पाई ॥
- ४) श्रीकृष्ण के वचन सुन, अर्जुन क्रोध से जलने लगा ।
सब शोक अपना भूलकर, करतल युगल मलने लगे ॥

ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (कोई दो) :

2

- १) दिन दूना रात चौगुना बढ़ना ।
- २) घाट-घाट का पानी पिया होना ।
- ३) पत्थर की लकीर होना ।
- ४) चल बसना ।

उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :

2

- १) उसमें फुल बिछा दें ।
- २) चलते-चलते हमारे बीच का अंतर कम हो गया था ।
- ३) अतिथि आए हैं, घर में सामान नहीं है ।
- ४) नए मूल्यों का निर्माण करना है ।
